RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 9 अंक : 06 | लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

SIGMA

ART
17–40mm F1.8
DC

LK SAMYANG
Schneider KREUZNACH × LK SAMYANG
2 YEAR Warranty
AF 24-60mm F2.8 FE
. Compact & Lightweight(494 gm)
. AF/MF Mode Switch
. Zoom range 24–60 mm
' USB-C Port
Close focus capability
Weather-resistant build
Fast Zoom , Made for Versatility
www.lksamayang.com
INNOVATIVE TECH DISTRIBUTION PVT LTD
Importer and Distributor for North India
308 A, 3rdFloor, NDM 1 Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi - 110034
Web: www.intechdistribution.com , Email : intechdelhi@gmail.com
Follow SAMYANG - INDIA NORTH on
Information & Sales - 011-43082205, 9050806575, Service Centre- 9871272689

STUDIO NEWS

लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026

'एक अच्छी तस्वीर किसी लम्हे को काल की गोद में कहीं खो जाने रोकने में सबसे सक्षम है। - युडोरा वेल्टी

Canon
Delighting You Always

नई शुरुआत
EOS R6
Mark III

शक्ति पहचानें, जुनून जगाएँ

32.5-मेगापिक्सेल के साथ 7K 30p ओपन गेट रिकॉर्डिंग
EOS R सीरीज़ का पहला कैमरा – EOS R6 Mark III, ओपन गेट रिकॉर्डिंग के साथ आता है, जो प्रोफेशनल्स द्वारा पसंद की जाने वाली एक ताकतवर वीडियो फीचर है। इस फीचर में वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान पूरे 3:2 फुल-फ्रेम 32.5-मेगापिक्सेल सेंसर का उपयोग होता है, जिससे आपको ज़्यादा से ज़्यादा रेज़ोल्यूशन मिलता है और पोस्ट-प्रोडक्शन में एडिटिंग के लिए बेहतरीन लचीलापन मिलता है।

12-बिट RAW, Canon Log 2 & 3
EOS R6 Mark III वीडियो में 12-बिट RAW रिकॉर्डिंग और Canon Log 2 & 3 के साथ प्रोफेशनल-लेवल कलर फ्लेक्सिबिलिटी देता है। यह सेटअप वीडियो में ज़्यादा डीटेल, स्मूथ टोनल ट्रांज़िशन और बेहतर शैडो-हाइलाइट जानकारी देता है। ये गामा कर्व्स डायनेमिक रेंज को बढ़ाने और सिनेमैटिक वर्कफ़्लो में एडवांस ग्रेडिंग के लिए तैयार किए गए हैं।

4K 120p और 2K 180p
EOS R6 Mark III एडवांस स्लो-मोशन वीडियो क्षमता के साथ आपके प्रोजेक्ट्स में सिनेमैटिक क्रिएटिविटी लाने में मदद करता है। 4K 120p और 2K 180p तक रिकॉर्डिंग के साथ, आप तेज़ गति वाले सीन को अल्ट्रा-स्मूद स्लो-मोशन में कैप्चर कर सकते हैं, जिससे हर मूवमेंट में ड्रामा और डीटेल जुड़ती है और आपके प्रोजेक्ट के उद्देश्य के अनुसार विज़ुअल इम्पैक्ट बढ़ता है।

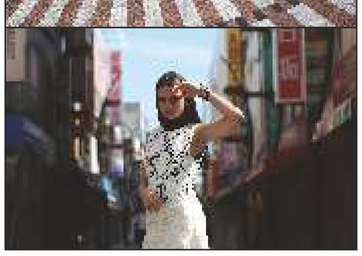

स्मूद स्किन इफ़ेक्ट
EOS R6 Mark III में स्टिल्स और वीडियो दोनों के लिए नया स्मूद स्किन इफ़ेक्ट दिया गया है। यह फीचर बिना किसी पोस्ट-प्रोडक्शन रिटचिंग के, सीधे कैमरे से नेचुरल और आकर्षक स्किन टोन देता है, ताकि आपका कंटेंट और भी प्रोफेशनल लगे।

रिले/प्रॉक्सी/सब रिकॉर्डिंग
EOS R6 Mark III में एडवांस रिले, प्रॉक्सी और सब रिकॉर्डिंग विकल्प दिए गए हैं, जो प्रोफेशनल वर्कफ़्लो को बिना रुकावट जारी रखने में मदद करते हैं। ये फीचर्स प्रोडक्शन के दौरान ज़्यादा लचीलापन और बेहतर काम की गति सुनिश्चित करते हैं।

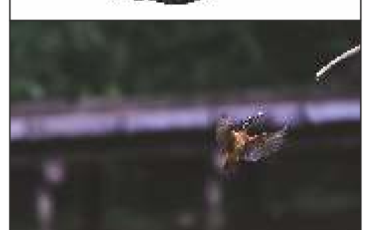

40 fps इलेक्ट्रॉनिक शटर + 20-फ़्रेम प्री-कैप्चर
EOS R6 Mark III अपने इलेक्ट्रॉनिक शटर के साथ प्रति सेकंड 40 फ़्रेम तक शूट कर सकता है, और शटर दबाने से पहले भी 20 फ़्रेम तक कैप्चर कर लेता है। यह फीचर तेज़-गति या अनिश्चित मूवमेंट वाले विषयों को कैप्चर करने के लिए बेहद उपयुक्त है।

रजिस्टर पीपल प्रायोरिटी AF
EOS R6 Mark III में रजिस्टर पीपल प्रायोरिटी AF फीचर दिया गया है, जो स्टिल्स और वीडियो दोनों में सब्जेक्ट ट्रैकिंग को और बेहतर बनाता है। इस फीचर की मदद से आप कैमरे में 10 तक चेहरे रजिस्टर कर सकते हैं, ताकि भीड़ भरे वातावरण में भी वही चेहरे फ़ोकस के लिए सबसे ज़्यादा प्राथमिकता में रहें।

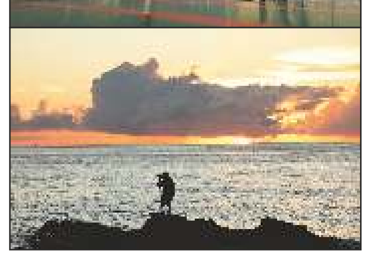

इन-बॉडी IS और सब्जेक्ट ट्रैकिंग IS
EOS R6 Mark III अपने एडवांस्ड इन-बॉडी IS के साथ (कम्पैटिबल RF लेंस के साथ जोड़ने पर) लगभग 8.5 स्टॉप तक शानदार स्टैबिलाइज़ेशन देता है। साथ ही नया सब्जेक्ट ट्रैकिंग IS मूवमेंट को प्राथमिकता देते हुए वीडियो को और स्थिर और शार्प बनाए रखता है। यह फीचर लगातार चलते-फिरते क्रिएटर्स के लिए बेहद उपयोगी है।

*उत्पाद की विशेषताएँ और लाभ इसकी तकनीकी विनिर्देशों, उपयोगकर्ता पुस्तिका और संचालन विधि पर निर्भर करते हैं। अधिक जानकारी के लिए in.canon पर जाएँ।

सम्पादक की कलम से ...

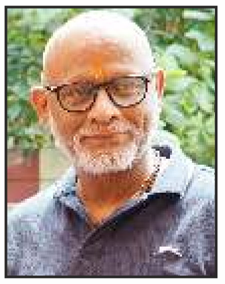

प्रिय फोटोग्राफर्स साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के दिसम्बर 2025 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। दिसंबर का अंक हमेशा हमें ठहरकर सोचने का अवसर देता है कि बीता वर्ष क्या सिखा गया, और आने वाला समय रचनात्मकता से हमसे क्या अपेक्षा करता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर है, जहाँ स्थिर चित्र और चलती हुई छवियों की सीमाएँ लगातार धुंधली होती जा रही हैं। कैमरा अब केवल तस्वीर कैद करने का औज़ार नहीं रहा; वह कहानी कहने का एक संपूर्ण माध्यम बन चुका है। यही कारण है कि आज का फोटोग्राफर स्वयं को केवल फोटोग्राफर नहीं, बल्कि एक हाइब्रिड क्रिएटर के रूप में देखने लगा है।

आज पेशेवरों से लेकर उभरते कंटेंट क्रिएटर्स तक, सभी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे एक ही असाइनमेंट में फोटो और वीडियो, दोनों स्तरों पर बेहतरीन आउटपुट दें। ग्राहक अब केवल एक अच्छी तस्वीर से संतुष्ट नहीं होते; उन्हें कहानी चाहिए, मूवमेंट चाहिए, भावनाओं का प्रवाह चाहिए। यही बदलाव तकनीक की दिशा तय कर रहा है। हाल के समय में सामने आए नए कैमरा सिस्टम इस बात का संकेत हैं कि एक ही तकनीकी आधार पर अलग-अलग रचनात्मक ज़रूरतों के लिए अलग टूल विकसित किए जा रहे हैं। यह समझ अब साफ है कि हाइब्रिड क्रिएटिविटी का मतलब समझौता नहीं, बल्कि विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि तकनीक ने निर्णय लेने की ज़िम्मेदारी फिर से क्रिएटर के हाथ में सौंप दी है। कोई कैमरा स्थिर चित्रों में उत्कृष्ट है और साथ ही प्रोफेशनल स्तर का वीडियो भी सक्षम बनाता है; तो कोई दूसरा मॉडल सिनेमैटिक आवश्यकताओं के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर स्टिल्स भी बिना रुकावट ले सकता है। अंतर सिर्फ स्पेसिफिकेशन का नहीं, बल्कि एर्गोनॉमिक्स, कूलिंग सिस्टम, कोडेक्स और हैंडलिंग जैसे व्यावहारिक पहलुओं का है। यही आज की वास्तविक प्रोफेशनल ज़िंदगी को परिभाषित करता है।

इस संदर्भ में हमारा दिसंबर अंक विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है। परमार जी का लेख "फिर मिलेंगे" फोटोग्राफी परिवार के लिए प्रेम, गर्व और आभार का भाव लिए हुए है, जो हमें याद दिलाता है कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, इंसानी जुड़ाव और सामूहिक स्मृतियाँ ही हमारी असली पूंजी हैं। हृदगंधा जी "कोलाहल भरी दुनिया में रचनात्मकता का संकट" पर हमें बताती हैं कि तेज़ रफ्तार डिजिटल समय में शोर से ऊपर उठकर मौलिकता को कैसे बचाया जाए। अनिल जी की श्रृंखला "महान विभूतियाँ" में एक साहसी महिला फोटोजर्नलिस्ट की कहानी हमें प्रेरित करती है कि जोखिम और प्रतिबद्धता के बिना इतिहास नहीं बनता। वहीं अभिनीत जी का "मैन्युअल मोड में फोटोग्राफी" लेख हमें मूल बातों की ओर लौटने का न्योता देता है, जहाँ कैमरे पर नहीं, सोच पर नियंत्रण ज़रूरी है।

तकनीकी मोर्चे पर भी यह अंक बेहद समृद्ध है। रॉ प्रोसेसिंग, कंटेंट क्रेडेंशियल्स, एडिटिंग सॉफ्टवेयर की नई क्षमताएँ, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के कैमरा अपडेट, मॉनिटर्स में कलर एक्युरेसी, ड्रोन और एक्शन कैमरों की बढ़ती क्रिएटिव आज़ादी - ये सभी बदलाव इस ओर इशारा करते हैं कि आने वाला समय सिर्फ बेहतर क्वालिटी का नहीं, बल्कि ज्यादा ज़िम्मेदार और पारदर्शी क्रिएशन का है। खासकर एआई से बनी इमेज को पहचानने जैसे टूल्स, फोटोग्राफी की विश्वसनीयता को एक नई दिशा देते हैं।

इस अंक का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है - फोटो प्रदर्शनियाँ। देहरादून में आयोजित "उत्तराखंड की गाथा" हो या लखनऊ में लगी "Shadows of Time", या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी जहाँ दुनिया भर के चुनिंदा कार्य प्रदर्शित हुए, ये आयोजन हमें याद दिलाते हैं कि स्क्रीन से बाहर की फोटोग्राफी आज भी उतनी ही ज़रूरी है। जब हजारों तस्वीरों में से केवल कुछ ही प्रदर्शनी तक पहुँच पाती हैं, तब गुणवत्ता, धैर्य और दृष्टि का मूल्य और गहरा हो जाता है।

अंत में, यही कहना चाहूँगा कि फोटोग्राफी आज सिर्फ तकनीक सीखने का खेल नहीं है। यह सोच, संवेदना और समय की समझ का संगम है। कैमरे बदलेंगे, फीचर्स बढ़ेंगे, प्लेटफॉर्म्स विकसित होंगे, लेकिन जो क्रिएटर बदलाव को अपनाते हुए भी अपनी दृष्टि को ईमानदार रखेगा, वही लंबे समय तक प्रासंगिक रहेगा।

दिसंबर के इस अंक के साथ, स्टूडियो न्यूज़ आप सभी के साथ इसी यात्रा में साथ चलने का वादा करता है, जहाँ परंपरा और भविष्य, स्टिल और मोशन, तकनीक और संवेदना, सब एक साथ चलते हैं।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

बंगाल फोटो वीडियो एक्सपो, 9-10-11 नवम्बर 2025, कोलकाता

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Datacolor : रॉ प्रोसेसिंग और कंटेंट क्रेडेंशियल्स की दुनिया में एक अप्रत्याशित खिलाड़ी की एंट्री

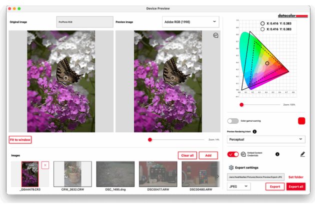

Datacolor ने नया SpyderPro सॉफ्टवेयर लॉन्च किया है, जो डिस्प्ले कैलिब्रेशन को नई ऊँचाइयों पर ले जाता है। यह 90 सेकंड से कम समय में सटीक कलर एक्युरेसी प्रदान करता है और 12,000 निट्स तक की अल्ट्रा-ब्राइट डिस्प्ले को सपोर्ट करता है। 3D LUT एक्सपोर्ट, डिवाइस प्रीव्यू प्लस, लाइट मीटर इंटीग्रेशन और C2PA कंटेंट क्रेडेंशियल्स जैसी खूबियाँ इसे फोटोग्राफर्स और वीडियो क्रिएटर्स के लिए शक्तिशाली वर्कफ्लो टूल बनाती हैं।

Leica SL3 Reporter: और भी मजबूत और पहले से ज्यादा प्रोफेशनल

Leica ने नया Leica SL3 Reporter कैमरा लॉन्च किया है, जो पेशेवर रिपोर्टेज और प्रेस फोटोग्राफी के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। यह मजबूत डार्क-ग्रीन फिनिश, अरामिड फैब्रिक कवर और बेहतर ग्रिप के साथ कठोर परिस्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन देता है। 60 मेगापिक्सल तक की इमेज क्वालिटी, सटीक ऑटोफोकस और "मेड इन जर्मनी" गुणवत्ता के साथ यह कैमरा प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिए एक प्रीमियम विकल्प है।

Godox ने आसान मल्टी-सिस्टम वर्कफ़्लो के लिए मॉड्यूलर फ़्लैश सॉल्यूशन पेश किया

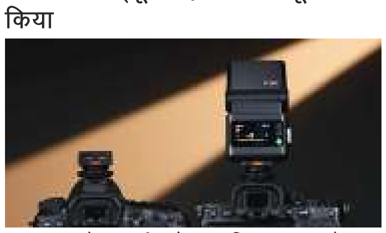

Godox ने मल्टी-कैमरा सिस्टम इस्तेमाल करने वाले फोटोग्राफर्स के लिए एक नया मॉड्यूलर फ्लैश सिस्टम पेश किया है। इसमें iT32 मिनी फ्लैश और X5 वायरलेस फ्लैश ट्रिगर शामिल हैं, जो अलग-अलग कैमरा ब्रांड्स के साथ आसानी से काम करता है। मैग्नेटिक डिजाइन, TTL सपोर्ट, हाई-स्पीड सिंक और वायरलेस कंट्रोल इसे ऑन-कैमरा व ऑफ-कैमरा लाइटिंग के लिए लचीला और प्रभावी समाधान बनाते हैं।

Meike 85mm F1.8 SE Mark II: बेहतर ऑप्टिक्स और क्लोज़र फोकसिंग का वादा

Meike ने नया 85mm F1.8 SE Mark II लेंस पेश किया है, जो फुल-फ्रेम L, Z और E माउंट कैमरों के लिए उपलब्ध होगा। बेहतर ऑप्टिकल डिजाइन (11 एलिमेंट, 7 ग्रुप), कम क्रोमैटिक एबरेशन और शानदार बोकेह के लिए 11 अपर्चर ब्लेड इसकी खासियत हैं। 0.65 मीटर की क्लोज फोकसिंग, तेज ऑटोफोकस और हल्का व कॉम्पैक्ट डिजाइन इसे बजट में पोर्ट्रेट फोटोग्राफर्स के लिए आकर्षक विकल्प बनाता है।

DJI का Neo 2: ड्रोन में रूचि रखने वालों के लिए शानदार फुटेज पाना अब और भी आसान

DJI ने नया Neo 2 फॉलो-मी कैमरा ड्रोन लॉन्च किया है, जो केवल 151 ग्राम वजन के साथ अल्ट्रा-लाइट और सुरक्षित डिजाइन पेश करता है। इसमें ऑम्नीडायरेक्शनल ऑब्स्टेकल सेंसिंग, जेस्चर कंट्रोल, पाम टेक-ऑफ/लैंडिंग और उन्नत ActiveTrack दिया गया है। 12MP सेंसर, 4K वीडियो, SelfieShot और स्मार्ट शूटिंग मोड्स के साथ यह ड्रोन शुरुआती यूजर्स, ट्रैवल, स्पोर्ट्स और फैमिली मोमेंट्स कैप्चर करने के लिए आदर्श विकल्प है।

Insta360 Ace Pro 2 को बना रहा है इंस्टेंट कैमरा जैसा अनुभव

Insta360 ने अपनी Leica-co-branded Ace Pro 2 एक्शन कैमरा को इंस्टेंट कैमरा जैसा अनुभव देने के लिए नए एक्सेसरी बंडल और फर्मवेयर लॉन्च किए हैं। नए Flash Print Bundle में एक पॉकेट साइज पोर्टेबल प्रिंटर शामिल है, जो तुरंत फोटो प्रिंट करता है। साथ ही Xplorer Pro Grip, सिनेमैटिक लेंस और नए Leica कलर प्रोफाइल्स कैमरे की क्रिएटिव क्षमताओं को और बेहतर बनाते हैं।

Aperture में बदलाव: DJI का Osmo Action 6 देता है क्रिएटिविटी को और ज्यादा आज़ादी

DJI ने नया Osmo Action 6 लॉन्च किया है, जो वेरिएबल अपर्चर (f/2.0-f/4.0) वाला दुनिया का पहला एक्शन कैमरा है। इसमें 1/1.1-इंच स्क्वायर सेंसर, 13.5 स्टॉप डायनैमिक रेंज और 4K/120fps वीडियो सपोर्ट मिलता है। 4K कस्टम मोड, एडवांस स्टेबिलाइजेशन, सुपर स्लो मोशन और 10-बिट D-Log M के साथ यह कैमरा एडवेंचर, ट्रैवल और व्लॉगिंग के लिए प्रो-लेवल परफॉर्मेंस देता है।

Viltrox की बदौलत Nikon Z यूज़र्स को मिला कम कीमत में दमदार पोर्ट्रेट पावरहाउस

Viltrox (विल्ट्रॉक्स) ने Nikon Z माउंट यूज़र्स के लिए बजट में प्रोफेशनल पोर्ट्रेट लेंस AF 85mm F1.4 Pro लॉन्च किया है। इसमें 15 एलिमेंट का उन्नत ऑप्टिकल

डिजाइन, 11-ब्लेड डायफ्राम और क्रीमी बोकेह मिलता है। तेज और साइलेंट Dual HyperVCM ऑटोफोकस, मेटल बॉडी, वेदर-रेसिस्टेंट डिजाइन और प्रो कंट्रोल्स के साथ यह लेंस पोर्ट्रेट फोटोग्राफर्स के लिए किफायती लेकिन शक्तिशाली विकल्प साबित होता है।

Panasonic की Lumix S-सीरीज़ हुई और भी फोकस्ड: नया फ़र्मवेयर लाएगा बेहतर ट्रैकिंग

पैनासोनिक ने LUMIX S सीरीज़ कैमरों S1RII, S1II और S1IIE के लिए नए फर्मवेयर अपडेट और LUMIX Flow ऐप अपडेट की घोषणा की है। इन अपडेट्स से थर्मल कंट्रोल बेहतर हुआ है, रिकॉर्डिंग समय बढ़ा है और MP4 (Lite) वीडियो विकल्प जुड़ा है। ऑटोफोकस, ट्रैकिंग और वर्कफ्लो में सुधार के साथ LUT सपोर्ट, फ्रेम मार्कर और UI एन्हांसमेंट्स मिलते हैं।

Sony a7 V में नया 33MP पार्शियल-स्टैक्ड सेंसर और तेज़ प्रोसेसर

Sony a7 V को E-mount यूज़र्स के लिए एक ऑल-राउंड पावरहाउस कैमरा के रूप में पेश किया गया है। इसमें नया 33MP "पार्शली-स्टैक्ड" सेंसर, 30fps बर्स्ट, 7.5EV IBIS और अपग्रेडेड Bionz XR2 प्रोसेसर दिया गया है। कैमरा तेज़ ऑटोफोकस, प्री-बर्स्ट कैप्चर और AI-आधारित वीडियो फीचर्स के साथ आता है, जिससे फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी दोनों में शानदार परफॉर्मेंस मिलती है।

Venus Optics ने क्लोज़-अप और प्रोडक्ट फ़ोटोग्राफ़र्स के लिए टिल्ट-शिफ्ट मूवमेंट्स पेश किए

लाओवा (Laowa) ने नया 35mm f/2.8 Zero-D Tilt-Shift 0-5× मैक्रो लेंस पेश किया है, जो वाइड-एंगल, टिल्ट-शिफ्ट और मैक्रो क्षमताओं को एक ही लेंस में जोड़ता है। यह फुल-फ्रेम और मीडियम-फॉर्मेट कैमरों के लिए उपयुक्त है। Zero-D डिज़ाइन, ±10° टिल्ट, ±12mm शिफ्ट और 0.5× मैक्रो के साथ यह आर्किटेक्चर, लैंडस्केप और प्रोडक्ट फोटोग्राफी के लिए सटीक कंट्रोल और उच्च इमेज क्वालिटी प्रदान करता है।

शेष पृष्ठ 15 पर ...

Panasonic

LUMIX

Reach Beyond Limits

Introducing the **New Lumix** S Seriess lens

NEW

LUMIX S 24-60mm F2.8

MRP ₹ 89,990.00

LUMIX S 100-500mm F5-7.1 O.I.S.

MRP ₹ 2,04,990.00

facebook.com/lumixIndia/
twitter.com/lumix_india
instagram.com/lumixIndia
youtube.com/@Panasonic4KImagingClub

Service Helpline: 080-6984-1333

www.panasonic.com/in,
helpline@in.panasonic.com

For warranty claims, please visit
warranty.panasoniclumix.in
community.panasoniclumix.in

कोलाहल भरी दुनिया में रचनात्मकता का संकट

हृदगंधा गिरीश मिस्त्री
एडवर्टाइजिंग एवं कमर्शियल फ़ोटोग्राफ़र, डीन और निदेशक, शारी अकादमी, मुंबई
@shari_academy | @thewayhridsees

फोटोग्राफी आज एक शोरगुल भरी दुनिया में जी रही है। हम हर हफ्ते हजारों तस्वीरें देखते हैं, अंतहीन रील्स देखते हैं, इतनी तेजी से क्लिक करते हैं जैसे सांस लेने से भी तेज, और बिना सोचे समझे अपलोड कर देते हैं। हम जहाँ भी देखते हैं, हमें कंटेंट तो बहुत दिखता है, पर असली क्रिएटिविटी बहुत कम।

लाइक्स, डेडलाइन्स, ट्रेंड्स और "फास्ट डिलीवरी" की दौड़ में कहीं न कहीं फोटोग्राफी की आत्मा खोती जा रही है। और यह सिर्फ प्रोफेशनल समस्या नहीं है। इसका असर ब्रांड्स, क्लाइंट्स, छात्रों, शिक्षकों और खुद फोटोग्राफर्स पर भी पड़ रहा है।

यह लेख उसी संकट पर एक विचार है और यह बताता है कि हम इससे ऊपर कैसे उठ सकते हैं।

दुनिया में कंटेंट तो ज्यादा है, लेकिन दृष्टिकोण (विज़न) कम है

एक समय था जब एक तस्वीर का अपना महत्व होता था। लोग रुकते थे, देखते थे, महसूस करते थे और उसे समझते थे। आज, एक तस्वीर को ठीक से देखने से पहले ही अगली दस सामने आ जाती हैं। तस्वीरें देखना इतना तेज हो गया है कि उन्हें सराहने का धैर्य खत्म हो गया है।

क्लाइंट्स भी इस दबाव को महसूस करते हैं। उन्हें लगातार पोस्टिंग चाहिए, लगातार दिखना है, लगातार एंगेजमेंट चाहिए। "इस हफ्ते हमें बीस रील्स चाहिए" अब एक सामान्य बात बन गई है। लेकिन इस मांग के साथ एक चुपचाप समझौता भी आया है, रचनात्मकता की मांग धीरे-धीरे

गायब हो गई है।

फोटोग्राफी का मतलब कभी सिर्फ़ तेज़ होना नहीं था। इसका मतलब था सार्थक होना।

रचनात्मकता को शांति चाहिए, लेकिन हम शोर में जीते हैं

रचनात्मक सोच निरीक्षण, सोच-विचार, जिज्ञासा और शांत पलों में पनपती है। लेकिन आज के फोटोग्राफर्स को ऐसे पल बहुत कम मिलते हैं। हमेशा कुछ न कुछ चलता रहता है: ईमेल्स, कॉल्स, डेडलाइन्स, "आज का ट्रेंड क्या है?", "अभी क्या वायरल है?", "शाम तक दे सकते हैं?"

इस भाग-दौड़ में रचनात्मकता मशीन जैसी बन जाती है। शूट्स एक चेकलिस्ट में बदल जाते हैं। आइडियाज़ टेम्पलेट बन जाते हैं। यहाँ तक कि लाइटिंग भी एक जैसी दिखने लगती है, क्योंकि किसी के पास प्रयोग करने का समय नहीं है।

हम ज्यादा बना रहे हैं, लेकिन कम महसूस कर रहे हैं।

तेज़ होने का दबाव मौलिकता को खत्म कर रहा है

आज ज्यादातर फोटोग्राफर्स एक जैसी मांगों का सामना करते हैं: "इसे इंस्टाग्राम वाले रेफ़रेंस जैसा बना दो।" "यह स्टाइल कॉपी करो, यह ट्रेंड में है।" "जल्दी जल्दी, अभी चाहिए।"

जब हर चीज़ तुरंत चाहिए होती है, तो रचनात्मकता वैकल्पिक चीज़ बन जाती है।

इसीलिए दुनिया भर की फीड्स एक जैसी दिखती हैं - वही पोज़, वही कलर ग्रेडिंग, वही फ्रेमिंग, वही एडिटिंग, वही ट्रांज़िशन वाली रील्स।

इंडस्ट्री में रचनात्मकता की समस्या नहीं है, समय की समस्या है। सोचने का समय। देखने का समय। महसूस करने का समय। बनाने का समय। समय के बिना, रचनात्मक शक्ति कमज़ोर हो जाती है।

क्लाइंट की दुविधाः गुणवत्ता से ज्यादा मात्रा

ईमानदारी से कहें तो आज कई क्लाइंट्स सोशल मीडिया के दबाव को फोटोग्राफर्स से भी ज्यादा महसूस करते हैं। ब्रांड्स सोचते हैं कि उन्हें हर दिन दिखना होगा, नहीं तो वे पीछे रह जाएंगे। यही सोच एक ऐसा चक्र बनाती है जहाँ फोटोग्राफर्स को दृष्टिकोण के लिए नहीं, बल्कि संख्या के लिए रखा जाता है।

एक क्लाइंट ने मुझसे कहा था, "हमें शूट से 300 तस्वीरें चाहिए। चाहे 50 ही अच्छी हों, बाकी तो सोशल मीडिया के 'फिलर्स' के लिए चाहिए।"

फिलर्स, यह शब्द ही दिल तोड़ देता है। फोटोग्राफी जगह भरने के लिए नहीं बनी, यह प्रभाव बनाने के लिए बनी है। एक मजबूत तस्वीर 300 औसत तस्वीरों से कहीं ज्यादा ब्रांड की पहचान बना सकती है। लेकिन यह सच्चाई शोर में खो जाती है।

छात्र शुरूआत से पहले ही अपनी चमक खो रहे हैं

यह संकट सबसे ज्यादा युवा फोटोग्राफर्स को प्रभावित करता है।

बहुत से छात्र जुनून, जिज्ञासा और सीखने की भूख लेकर आते हैं। लेकिन जैसे ही वे वास्तविक दुनिया में कदम रखते हैं, वे कंटेंट की दौड़ में खींच लिए जाते हैं: "तेज़ शूट करो।" "और तेज़ एडिट करो।" "आज रात ही डिलीवर करो।" "ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं।" बहुत ज्यादा कंटेंट और बहुत कम मूल्य, रचनात्मकता को पूरा बनने से पहले ही सुन्न कर देता है।

छात्रों को लगने लगता है कि फोटोग्राफी सिर्फ आउटपुट है, कल्पना नहीं। वे भूल जाते हैं कि दुनिया को देखने का उनका अनोखा नजरिया ही उनकी असली ताकत है। जो पीढ़ी ट्रेंड्स को कॉपी करते हुए बड़ी होती है, उसे ट्रेंड्स बनाने वाले आइडिया तैयार करने में संघर्ष करना पड़ेगा।

ब्रांड्स को क्रिएटर्स चाहिए, मशीनें नहीं

आज के दौर में ब्रांड्स रचनात्मक माहौल को आकार देने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। जब कोई ब्रांड सोच-समझकर किए गए काम का समर्थन करता है, तो रचनात्मकता बढ़ती है। जब कोई ब्रांड सिर्फ़ मात्रा की मांग करता है, तो रचनात्मकता ध्वस्त हो जाती है।

सबसे अच्छे ब्रांड्स अब एक ज़रूरी बात समझ रहे हैं: उन्हें ज़्यादा कंटेंट नहीं चाहिए, उन्हें बेहतर कंटेंट चाहिए।

एक अच्छी तरह से प्लान किया गया शूट महीनों तक एक कैंपेन के लिए काम आ सकता है। एक मज़बूत ब्रांड कहानी सौ

बेमतलब पोस्ट से ज़्यादा समय तक बनी रहती है। एक सार्थक फ़िल्म सिर्फ़ पहुँच नहीं, बल्कि भरोसा पैदा करती है।

जो ब्रांड्स रचनात्मकता का सम्मान करते हैं, वे ऐसे फोटोग्राफरों को आकर्षित करते हैं जो अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। यह एक लेन-देन नहीं, बल्कि साझेदारी बन जाता है।

कम नकल, ज्यादा पहचान

फोटोग्राफी, फोटोग्राफर का ही विस्तार है।

लेकिन आज, बहुत से लोग अपनी पहचान विकसित करने में हिचकिचाते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि क्लाइंट्स इसे नहीं समझेंगे। यह डर लोगों को नक़ल की तरफ धकेलता है। लेकिन दुनिया नक़ल करने वालों को याद नहीं रखती। वह रचनाकारों को याद रखती है।

एनी लीबोविट्ज़, टिम वॉकर, रघु राय, स्टीव मैकरी, सारा मून, नादव कांडर - सबकी शैली अलग, दुनिया अलग लेकिन एक बात सामान्य है : उन्होंने अपने आस-पास के शोर जैसा बनने से इनकार कर दिया।

जब आप अपना स्टाइल बनाते हैं, तो लोग आपको काम पर रखते हैं - आपके कैमरे को नहीं, आपके लेंस को नहीं, आपके प्रीसेट को नहीं।

मेरा व्यक्तिगत अनुभव

मुझे कुछ साल पहले का एक कैंपेन याद है। ब्रांड को "वायरल कंटेंट" चाहिए था। लेकिन वायरल चीज़ें हर हफ्ते बदल जाती हैं। मैंने उन्हें समझाया - थोड़ा रुकिए, सोचिए, और पहले एक कॉन्सेप्ट बनाइए। हमने एक ही तस्वीर शूट की - जिसमें गहरी कहानी थी। वही तस्वीर तीन साल तक उनके ब्रांड का चेहरा बनी रही।

क्लाइंट्स तत्कालता को नहीं, प्रभाव को याद रखते हैं। इरादे के साथ बनाई गई रचनात्मकता हमेशा लंबे समय तक रहती है।

आगे का रास्ताः आत्मा को वापस लाना

हमें फिर से क्या बनाना है:

- **सोचने की जगह -** हर महान तस्वीर शटर दबाने से बहुत पहले शुरू होती है।
- **धीमी रचनात्मकता का सम्मान -** सुंदरता को समय चाहिए। दृष्टि को धैर्य चाहिए। मन को जगह चाहिए।
- **मौलिकता में विश्वास -** ट्रेंड्स बदल जाते हैं। पहचान टिकती है।
- **'ना' कहने का साहस -** हर ब्रीफ रचनात्मकता के लिए अच्छा नहीं होता। हर मांग कला के लिए स्वस्थ नहीं होती।
- **गुणवत्ता को महत्व देने वाले क्लाइंट्स -** आपके ब्रांड को गहराई वाली तस्वीरें चाहिए, सिर्फ संख्या नहीं।
- **जो ब्रांड क्रिएटर्स को संवारते हैं -** यह ब्रांड ऐसे क्रिएटर्स के साथ काम करता है जो सचमुच सहयोग करते हैं, जो नकल किया गया कंटेंट नहीं, बल्कि विचारशील और मौलिक कहानियाँ बनाते हैं। अब समय आ गया है कि बार्टर और दोहराए जाने वाले काम से आगे बढ़ें और ब्रांड को समझने, उसकी जरूरतों को जानने और एसे सबसे अलग दिखाने वाले अनूठे विजुअल्स (तस्वीरें/वीडियो) बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।
- **अपने स्वर में विश्वास रखने वाले छात्र -** दुनिया को देखने का आपका तरीका अनोखा है, इसे बचाकर रखें।

अंतिम विचारः रचनात्मकता फोटोग्राफी की अनसुनी रीढ़ है

फोटोग्राफी तकनीक से बच जाएगी। यह ट्रेंड्स से बच जाएगी। यह सोशल मीडिया से भी बच जाएगी। लेकिन अगर रचनात्मकता मर गई, तो फोटोग्राफी टिक नहीं पाएगी। हम शोर भरी दुनिया में जी रहे हैं। कंटेंट हर जगह है, लेकिन अर्थ गायब होता जा रहा है। तेज़ी हर जगह है, लेकिन आत्मा फिसलती जा रही है। यह रुककर फिर से बनाने का समय है। कम बनाएं, लेकिन बेहतर बनाएं। प्रक्रिया का सम्मान करें। मौलिकता की रक्षा करें। गहराई, इरादा, भावना और सच्चाई को वापस लाएं।

क्योंकि अंत में दुनिया को ज्यादा तस्वीरों की जरूरत नहीं है। दुनिया को ज्यादा अर्थ की जरूरत है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026

' मुझे पूरी तस्वीर से नहीं बल्कि उस तस्वीर में छुपा एक छोटा सा लम्हा ज्यादा प्रभावित करता है। - हेनरी कार्टियर ब्रेस्सों

Photo : Hridgandha Girish Mistry, Shari Academy, Mumbai. | Camera : Fujifilm GFX100sII, lens 45-100 | Model : Aavya Gupta | Makeup and Hair : Sachin Ghate.

	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M
JAN					1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31		
FEB	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28									
MAR	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31						
APR				1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30				
MAY						1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
JUN		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30						
JUL				1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31			
AUG							1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
SEP			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30					
OCT					1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31		
NOV	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30							
DEC			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31				

फिर मिलेंगे: हमारे फ़ोटोग्राफ़ी परिवार के लिए प्यार, गर्व और आभार के साथ

मेरे प्रिय मित्रों,

कुछ दिन पहले, **स्टूडियो न्यूज़** के पुराने अंक पलटते हुए मुझे महसूस हुआ कि हमारी यह यात्रा अप्रैल 2023 से शुरू हुई, जब मेरा पहला लेख इस पत्रिका में प्रकाशित हुआ था, और तभी से मैं आप सभी से जुड़े रहने का सौभाग्य पा रहा हूँ।

मुझे आज भी हमारे संपादक सुरेन्द्र जी से हुई वह बातचीत याद है। उन्होंने मुझसे कहा था, **"हमें फ़ोटोग्राफ़ी के केवल तकनीकी पक्ष तक सीमित न रहते हुए विविध विषयों पर लेख प्रस्तुत करने चाहिए। यही पाठकों के लिए वास्तव में लाभकारी होगा।"**

उन्होंने फ़ोटोग्राफ़रों के बीच प्रिंट की अहमियत को बढ़ावा देने के मेरे प्रयासों को देखा, साथ ही मार्केटिंग क्यों ज़रूरी है इस पर मेरे ध्यान को भी। उन्हें यह बात भी महसूस हुई कि देशभर में कई फ़ोटो स्टूडियो बंद हो रहे हैं, और यह चिंता मेरे भीतर भी गहरी थी। उनकी बात ने मुझे प्रेरित किया, और यहीं से **स्टूडियो न्यूज़** के लिए मेरे लेखक-यात्रा की शुरूआत हुई।

सुरेन्द्र जी की सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि वे हमेशा भारतीय फ़ोटोग्राफ़ी समुदाय को शिक्षित, सशक्त और आगे बढ़ते देखने की इच्छा रखते हैं। उनका स्पष्ट सपना रहा है – हमारे फ़ोटोग्राफ़रों को इतना सक्षम बनाना कि वे वैश्विक स्तर पर गर्व से खड़े हो सकें।

धीरे-धीरे मैंने महसूस किया कि **स्टूडियो न्यूज़** सिर्फ़ एक पत्रिका नहीं – यह हमारे पेशेवर समुदाय को जोड़ने, शिक्षित करने और प्रेरित करने वाला एक सेतु है। मैं ऐसा आत्मविश्वास से कहता हूँ, क्योंकि मैं इस उद्योग की चार अन्य पत्रिकाओं के लिए भी लिखता हूँ, जिनमें से एक अमेरिका से प्रकाशित होती है। लेकिन **स्टूडियो न्यूज़** की गुणवत्ता, समर्पण और व्यापक पहुँच इसे बेहद अलग और ख़ास बनाती है।

पिछले कई महीनों में, मैंने ऐसे विषयों पर लिखने की कोशिश की जो मुझे लगा कि हमारे पाठकों के लिए उपयोगी होंगे, जैसे – मार्केटिंग, रचनात्मकता, प्रिंटिंग और फ़ोटोग्राफ़ी के व्यवसाय से जुड़े विचार। आपमें से कई लोगों ने अपनी सराहना और सुझाव मेरे साथ साझा किए, जिसके लिए मैं दिल से आभारी हूँ। आपका यह प्रोत्साहन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

कुछ आवश्यक व्यावसायिक दायित्वों के चलते, मैं आगामी कुछ महीनों तक **स्टूडियो न्यूज़** के लिए लेखन से विराम लेने जा रहा हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे लेखों ने आपको न केवल पढ़ने का आनंद दिया, बल्कि सीखने, आत्मचिंतन करने और अपने काम व व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मददगार साबित हुए होंगे।

इस अवधि में आप मुझसे **इंस्टाग्राम (@VimalParmar)** के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। आपके संदेश, प्रश्न और विचार मेरे लिए हमेशा स्वागत योग्य हैं, और उन्हें पढ़कर जवाब देना मुझे खुशी देगा।

भारत में फ़ोटोग्राफ़ी उद्योग बहुत बड़ा है और अवसरों से भरा हुआ है। लेकिन अवसरों के साथ ज़िम्मेदारियाँ भी आती हैं। आइए, हम सब मिलकर अपने काम में प्रोफ़ेशनल और नैतिक रहकर, नए फ़ोटोग्राफ़रों का मार्गदर्शन करके, अपनी कला के माध्यम से समाज में योगदान देकर, और इस उद्योग को वह सम्मान दिलाकर जिसकी यह वास्तव में हक़दार है – अपने समुदाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ।

समापन से पूर्व, मैं **स्टूडियो न्यूज़** के लिए लेखन का अवसर प्रदान करने हेतु सुरेन्द्र जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मेरे लेखों का उत्कृष्ट हिंदी अनुवाद करने के लिए भी धन्यवाद करता हूँ। साथ ही, इस पत्रिका को इतना सूचनाप्रद और प्रेरणादायी बनाने के लिए संपूर्ण टीम की सराहना करता हूँ।

और अंत में, आप सभी सम्मानित पाठकों के प्रति हृदय से आभार। आपके स्नेह, समर्थन और निरंतर प्रोत्साहन के लिए मैं अत्यंत कृतज्ञ हूँ। कई दशकों तक इस प्रतिष्ठित फ़ोटोग्राफ़ी समुदाय का हिस्सा रहना मेरे लिए गौरव और आनंद का विषय रहा है।

आप सभी तथा आपके परिवारजनों और प्रियजनों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

दिल से धन्यवाद - फिर मिलेंगे।

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

Canon EOS R6 Mark III - लखनऊ में फोटोग्राफर्स के लिए विशेष 1st Impression Meetup

19 नवम्बर 2025 : लखनऊ के कैनन इमेज स्क्वायर में **Canon EOS R6 Mark III** कैमरे का प्रोफेशन फोटोग्रॉफर्स और कंटेट क्रिएटर्स के लिए 1st Impression Meeup का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैनन इंडिया के प्रतिनिधि एवं तकनीकी एक्सपर्ट भी उपस्थित थे जिन्होंने कैमरे के बारे में विस्तार से वर्णन किया।

उ.प्र. में आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप

उन्नाव में कैनन फोटोग्राफी वर्कशॉप (08 नवम्बर 2025)

कानपुर में कैनन फोटोग्राफी वर्कशॉप (10 नवम्बर 2025)

गोरखपुर में कैनन फोटोग्राफी वर्कशॉप (12 नवम्बर 2025)

एटा में निकॉन फोटोग्राफी वर्कशॉप (13 नवम्बर 2025)

फर्रुखाबाद में कैनन फोटोग्राफी वर्कशॉप (14 नवम्बर 2025)

शूट डेस्टिनेशन, लखनऊ में कैनन फोटोग्राफी वर्कशॉप

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026

फोटोग्राफी दुनिया को समझने की कुंजी है। - बेरेनिस एबोट

मैन्युअल मोड में फोटोग्राफी

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

फोटोग्राफी एक क्रियेटिव आर्ट है, और अगर आप सच में प्रोफेशनल लेवल की फोटो लेना चाहते हैं, तो आपको मैन्युअल मोड [Manual Mode (M Mode)] को ज़रूर सीखना चाहिए। इतने मोड्स में सबसे एडवांस मोड्स मैन्युअल मोड ही होता हैं। आप किसी भी सिचुएशन के लिए किस तरह की सेटिंग लेना पसंद करेंगे मैन्युअल मोड आपको इस बात की पूरी स्वतन्त्रता देता है। हालाँकि आटोमेटिक मोड्स आपके काम को बहुत आसान कर देते हैं क्यूंकि सबकुछ आटोमेटिक जो हो जाता हैं। आटोमेटिक मोड हमेशा फोटोज की कैप्चरिंग को अपने हिसाब से सेट करते हैं। यहाँ आपको कैमरे को कमांड बहुत कम देना पड़ता है और कैमरा फटाफट अपनी सूझबूझ के चलते फोटोज क्लिक कर लेता है। वहीं मैन्युअल मोड को आपको हर एक चीज़ बतानी पड़ती है जिसके चलते रिज़ल्ट काफी हद तक आपके मन मुताबिक ही आता है।

मैन्युअल मोड में आप कैमरा सेटिंग्स खुद ही डिसाइड करते है। अपर्चर - शटर - आईएसओ तीनो ही कैमरा सेटिंग्स आप खुद ही डिसाइड करते हैं।

पिछले मोड्स की तरह ही इस मोड में भी Exposure Triangle का इम्पोर्टेन्ट रोल रहता है। फोटोग्राफी में सबसे ज़रूरी चीज़ है एक्सपोज़र कण्ट्रोल। एक्सपोज़र कण्ट्रोल का मतलब हुआ कि आप अपने कैमरे की सेटिंग्स से अपने मन का एक्सपोज़र निकाल पाएं। यानी आपकी फोटो कितनी ब्राइट दिखेगी या कितनी डार्क इसको कण्ट्रोल करना ही एक्सपोज़र कण्ट्रोल में गिना जाता है। एक्सपोज़र तीन चीज़ों से मिलकर बनता है: Aperture (f-stop), Shutter Speed, ISO. इन तीनो के कॉम्बिनेशन से ही आप परफेक्ट एक्सपोज़र को प्राप्त कर सकते हैं। पिछली बार हमने Aperture Priority Mode का इस्तेमाल करके ये समझना चाहा था कि इस मोड को आप किन कंडीशन में यूज़ करते हैं।

मैन्युअल मोड को समझने के लिए सबसे ज़रूरी है Exposure Triangle को समझना, जिसमें तीन elements आते हैं:

1. Aperture (f-stop) - Aperture मतलब लेंस की ओपनिंग। जितना बड़ा aperture होगा, उतना ही ज्यादा लेंस की ओपनिंग होगी उतनी ज्यादा लाइट अंदर जाएगी। अपर्चर को f-numbers से measure करते हैं (जैसे f/1.8, f/2.8, f/8, f/16)

जितना वाइड अपर्चर (f/1.8) → उतनी ज्यादा लाइट कैमरे में एंटर करेगी, उतना बैकग्राउंड ब्लर्र होगा। वाइड अपर्चर पोर्ट्रेट्स के लिए सबसे अच्छा होता हैं।

जितना नैरो अपर्चर (f/16) → उतनी कम लाइट कैमरे में एंटर करेगी और उतना बैकग्राउंड फोकस में रहेगा। मतलब f नंबर बढ़ाते जाइये और सब कुछ फोकस में आता जाएगा।

2. Shutter Speed बताती है कि सेंसर कितनी देर तक लाइट को कैप्चर करेगा। मतलब कि आपके सेंसर पर लाइट कितनी देर तक पड़ती रहेगी। जैसे 1/1000 सेकंड का मतलब 1 सेकंड का 1000वाँ हिस्सा, मतलब बहुत ही फ़ास्ट शटर स्पीड। और अगर शटर स्पीड 1/10 हो तो मतलब की शटर स्पीड 1 सेकंड का दसवाँ हिस्सा, मतलब कि स्लो शटर स्पीड इसका मतलब की लाइट काफी देर तक आपके सेंसर पर एक्सपोज़ होती रहेगी।

Fast shutter (1/1000) → motion freeze (sports, action shots)
Slow shutter (1/4, 1 sec) → motion blur (waterfalls, light trails)

3. ISO बताता है कि आपका कैमरा लाइट के लिए कितना संसटिव है। उदाहरण : ISO 100, 400, 800, 3200

Low ISO (100–200) → clean image, less noise (bright conditions)
High ISO (1600–3200) → brighter image in low light but more grain/noise

मैन्युअल मोड कैसे इस्तेमाल करें ?

मैन्युअल मोड को इस्तेमाल करने के लिए आपको सभी सेटिंग्स मैनुअली ही सेट करनी होगी।

सबसे पहले

1. कैमरा डायल को "M" पर सेट करें - इससे आप मैन्युअल मोड में चले जाते हैं।

2. ISO सेट करें

- डे लाइट में ISO 100 रखें।
- इण्डोर या रात में ISO बढ़ाएँ (400-1600)।

3. अपर्चर चुनें (Depth of Field के हिसाब से)

- पोर्टरेट्स के लिए - f/1.8 – f/2.8
- लैण्डस्केप के लिए - f/8 – f/16

4. Shutter Speed Adjust करें

- Moving subjects : fast shutter (1/500 या उससे ज्यादा)
- Night/Creative shots : slow shutter (1/30 या कम, tripod जरूरी)

5. Exposure Meter देखें

– Viewfinder या LCD पर एक scale होती है (-2 से +2 तक)।

– Meter को middle (0) के पास लाने की कोशिश करें ताकि exposure perfect रहे।

6. Test Shot लें और Check करें

– फोटो लेकर histogram और preview देखिए।

– Over exposed या under exposed हो तो settings adjust करें।

मैन्युअल मोड कब इस्तेमाल करें

* Low light situations (concerts, night photography)
* Product या studio photography जहाँ lighting fix होती है
* Landscape photography जहाँ exposure constant रखना होता है
* Creative shots (light trails, long exposure, bokeh shots)

Manual Mode photography की असली ताकत है। जब आप इसे सीख लेते हैं, तो आप सिर्फ फोटो नहीं लेते - आप लाइट को कण्ट्रोल करते हैं और अपनी imagination को reality में बदलते हैं। Automatic mode convenience देता है, लेकिन Manual mode creativity देता है।

इसलिए जब आप अगली बार अपना उठाएँ, "Auto" से "M" मोड पर स्विच करें, ताकि आप दुनिया को अपने दृष्टिकोण से सटीक रूप में प्रस्तुत कर सकें।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा, अगले अंक में हम इसी टॉपिक को और डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे, अपना बहुत ख्याल रखें।

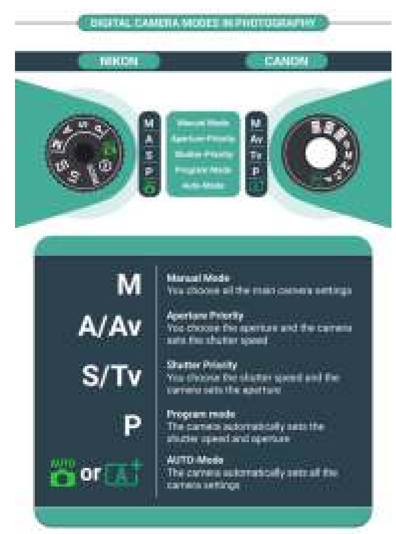

स्टूडियो न्यूज़
फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, mailtostudionews@gmail.com पर मेल करें।

महान विभूतियाँ

गेर्डा टैरो
(1 अगस्त 1910 - 26 जुलाई 1937)

गेर्डा टैरो

गेर्डा टैरो एक यहूदी जर्मन युद्ध फोटोग्राफर थीं, जिन्होंने स्पेन के गृह युद्ध के दौरान काम किया। उन्हें युद्ध के मोर्चे पर रिपोर्टिंग करते हुए शहीद होने वाली पहली महिला फोटो पत्रकार माना जाता है।

टैरो प्रसिद्ध फोटोग्राफर रॉबर्ट कैपा की साथी और पेशेवर सहयोगी थीं, जो उनकी तरह यहूदी थे। "रॉबर्ट कैपा" नाम पहले दोनों द्वारा मिलकर बनाया गया एक छद्म नाम (बदला हुआ नाम) था। यह नाम उन्होंने यूरोप में बढ़ती राजनीतिक असहिष्णुता से बचने और अमेरिकी बाज़ार को आकर्षित करने के उद्देश्य के लिए बनाया था। इसी कारण, रॉबर्ट कैपा के शुरूआती कामों में से एक बड़ा हिस्सा वास्तव में गेर्डा टैरो द्वारा ही बनाया गया था।

गेर्डा टैरो का जन्म 1 अगस्त 1910 को जर्मनी के स्टुटगार्ट शहर में एक मध्यमवर्गीय यहूदी परिवार में हुआ, जो हाल ही में पूर्वी गैलिसिया से आया था। उन्होंने क्वीन शार्लोट हाई स्कूल में पढ़ाई की, एक साल लॉज़ान के बोर्डिंग स्कूल में बिताया और बाद में बिज़नेस कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की।

1929 में उनका परिवार नाजी जर्मनी के उदय से ठीक पहले लीपज़िग में आकर बस गया। गेर्डा टैरो नाजी पार्टी के खिलाफ थीं और वामपंथी राजनीति में रूचि लेने लगीं। 1933 में, जब नाजी पार्टी सत्ता में आई, तो उन्हें राष्ट्रीय समाजवादियों (नाज़ियों) के खिलाफ पर्चे बाँटने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आखिरकार, पूरा परिवार जर्मनी छोड़ने के लिए मजबूर हो गया और सब अलग-अलग जगहों पर चले गए। टैरो, जो उस समय 23 वर्ष की थीं, पेरिस चली गईं; उनके माता-पिता फिलिस्तीन जाने की कोशिश में लगे, और उनके भाई इंग्लैंड चले गए। दुख की बात है कि टैरो अपने परिवार से अपनी पूरी जिंदगी में फिर कभी नहीं मिल सकीं।

टैरो का करियर छोटा था, लेकिन फोटो जर्नलिज़्म पर, खासकर युद्ध फोटोग्राफी पर, उसका गहरा प्रभाव पड़ा। हैन्नो हार्ट ने स्पेनिश गृह युद्ध में रॉबर्ट कैपा के साथ टैरो के काम को इस तरह वर्णित किया: **"टैरो और कैपा ने आधुनिक युद्ध फोटोग्राफी की शैली को विकसित करने में मदद की। उन्होंने दर्शकों को संघर्ष क्षेत्र के जीवन की झलक देकर युद्ध को परोक्ष रूप से महसूस करने का अनुभव दिया।"**

1934 में जब गेर्डा टैरो हिटलर के जर्मनी में बढ़ती यहूदी-विरोधी नीतियों से बचने के लिए पेरिस पहुँचीं, तो उनकी मुलाक़ात हंगरी के यहूदी फोटो पत्रकार एंड्रे फ्रीडमैन से हुई। उन्होंने उनसे फोटोग्राफी सीखी और उनकी निजी सहायक बन गईं। दोनों एक-दूसरे से प्यार भी करने लगे। अक्टूबर 1935 से ग्रेटा ने मारिया आइज़नर

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026

‘ प्रकाश फोटोग्राफी का मूल तत्व है। प्रकाश का आलिंगन कीजिये। उससे प्रेम कीजिये। प्रकाश को जानिये। प्रकाश को भली-भांति समझ जाना फोटोग्राफी को समझने की कुंजी है। - जॉर्ज ईस्टमैन

की ‘अलायंस फोटो’ एजेंसी में पिक्चर एडिटर के रूप में काम शुरू किया। ग्रेटा ने फोटोग्राफी इसलिए भी सीखी क्योंकि वही उनके रहने की कानूनी अनुमति पाने का तरीका था, उस समय फ्रांसीसी सरकार फोटो पत्रकारों को निवास अनुमति देती थी। उनकी पहली मान्यता 4 फ़रवरी 1936 को एम्स्टर्डम स्थित एबीसी प्रेस- सर्विस एजेंसी द्वारा जारी की गई। यह दस्तावेज़ न केवल उन्हें फ्रांस में रहने की अनुमति देता था बल्कि उन्हें फोटो पत्रकार के रूप में काम करने के लिए भी प्रोत्साहित करता था।

इसके बाद, उन्होंने और फ्रीडमैन ने एक योजना बनाई - फ्रीडमैन को "रॉबर्ट कैपा" नाम के काल्पनिक फोटोग्राफर का एजेंट बताया गया। 1936 में जब स्पेनिश गृह युद्ध शुरू हुआ, तो टैरो कैपा और डेविड चिम के साथ घटनाओं को कवर करने के लिए स्पेन के बार्सिलोना पहुँचीं। उन्होंने मिलकर उत्तर-पूर्व अरागोन और दक्षिण के कोर्दोबा प्रांत में युद्ध को कवर किया। उनकी शुरूआती युद्ध तस्वीरें अलग पहचान रखती थीं, टैरो रोलै कैमरा इस्तेमाल करती थीं जिससे चौकोर तस्वीरें बनती थीं, जबकि कैपा कॉन्टैक्स या लाइका कैमरे से आयताकार तस्वीरें लेते थे। हालाँकि, 1937 में कुछ समय के लिए दोनों ने समान 35mm कैमरे से ली गई तस्वीरें "Capa & Taro" नाम से प्रकाशित कीं।

इसके बाद टैरो ने अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की। उन्होंने कैपा के विवाह प्रस्ताव को ठुकरा दिया। फिर उन्होंने "फोटो टैरो" नाम से अपने काम को व्यावसायिक रूप देना शुरू किया। उनकी तस्वीरें Regards, Life, Illustrated London News और Volks-Illustrierte जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं। वालेंसिया में हुए बमबारी की रिपोर्टिंग अकेले करते हुए उन्होंने वे तस्वीरें लीं, जिन्हें आज उनके सबसे प्रसिद्ध कार्यों में गिना जाता है।

25 जुलाई 1937 को ब्रूनेते की लड़ाई के दौरान टैरो ने पीछे हट रही मिलिशिया टुकड़ी को प्रेरित किया और उन्हें वापस जाकर एक मोर्चे पर कब्ज़ा करने के लिए राज़ी किया, जहाँ उन्होंने एक घंटे तक भारी बमबारी का सामना किया। जब पीछे हटना ज़रूरी हो गया, तो टैरो एक चलती कार के साइड स्टेप पर चढ़ गईं। तभी एक विद्रोही टैंक अचानक साइड सड़क से निकला और कार से टकरा गया। टैरो को गंभीर चोटों के साथ तुरंत अस्पताल ले जाया गया और उन्हें रक्त चढ़ाया गया, लेकिन अगले दिन उनकी मृत्यु हो गई। 26 जुलाई 1937 को केवल 26 वर्ष की उम्र में गंभीर चोटों के कारण टैरो का निधन हो गया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

'शैडोज ऑफ टाइम' - एकल फोटो प्रदर्शनी

राजधानी लखनऊ में छायाकार अजैश जायसवाल द्वारा रेजीडेंसी की अनूठी श्वेत-श्याम फोटो की प्रर्दशनी लगाई गई। अजैश की 'शैडोज ऑफ टाइम' रेजीडेंसी पर आधारित इस एकल फोटो प्रदर्शनी में खंडहरों पर आजादी के निशान दिखाये गये हैं। यह फोटोग्राफी प्रर्दशनी प्रकाश और छाया के जटिल मेलजोल के साथ अद्भुत स्थापत्य धरोहर को प्रदर्शित करती है। रेजीडेंसी 1857 के संग्राम की दास्तां समेटे हुए है और इन तस्वीरों में एक तरह का युद्ध भी प्रदर्शित है। प्रदर्शनी का उद्घाटन संजय कुमार (IAS) महानिदेशक सार्वजनिक उपक्रम एवं सचिव, उ.प्र. मानवाधिकार आयोग एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने किया। प्रदर्शनी लखनऊ के कोकोरो आर्ट गैलरी में 15 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक है।

67वीं अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफिक प्रदर्शनी

दम दम, कोलकाता की फ़ोटोग्राफ़िक एसोसिएशन ने लखनऊ के पुराने हाईकोर्ट के पास ललित कला अकादमी में फ़ोटोग्राफ़ी कला की 67वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया।

दुनिया भर से प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया है, और लखनऊवासियों के लिए यह शानदार फ़ोटोग्राफ़ी कला संग्रह देखने का अवसर मिला। ध्यान देने योग्य बात यह है कि चयन प्रक्रिया इतनी कठिन है कि हर वर्ष केवल 6% तस्वीरें ही प्रदर्शन के लिए चुनी जाती हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. रवि भट्ट जी और श्री अनिल रिसाल सिंह जी द्वारा किया गया। अवध फ़ोटोग्राफ़िक सोसाइटी ने लखनऊवासियों के लिए इस प्रदर्शनी को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शनिवार, 6 दिसम्बर 2025 से 5 जनवरी 2026

काफी लोगों को यह एहसास नहीं होता कि शौकिया फोटोग्राफरों के लिए फोटोग्राफी एक मजेदार अनुभव हो सकता है पर एक पेशेवर फोटोग्राफर के लिए फोटोग्राफी काफी मेहनतकश काम सिद्ध हो सकती है। - एडवर्ड वेस्टन

फोटो प्रदर्शनी : "उत्तराखंड की गाथा"

उत्तराखंड की गाथा नामक छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री बी. के. जोशी, चेयरमैन दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र, लैंसडाउन चौक, देहरादून द्वारा किया गया। यह छायाचित्र प्रदर्शनी दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र एवं फ्रेम्स ऑफ दून फोटोग्राफी क्लब के सह सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड राज्य की महान संस्कृति, परंपरा एवं प्रकृति को जन समूह के समक्ष दर्शाना है। इस प्रदर्शनी में तकरीबन 20 प्रतिष्ठित छाया चित्रकारों की छाया चित्र प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि द्वारा इन छाया चित्रकारों के कार्य को सहराया और प्रशंसाजनक बताया। इस प्रदर्शनी को देखने के लिए प्रकृति प्रेमी और फोटोग्राफी में रूचि रखने वाले लोगों की अधिक संख्या देखने को मिली।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

पृष्ठ 4 से आगे ...

Sony का अपडेटेड किट लेंस एक्शन के लिए पूरी तरह तैयार

सोनी (Sony) ने नए a7 V कैमरे के साथ अपडेटेड किट लेंस FE 28-70mm F3.5-5.6 OSS II पेश किया है। इस लेंस में उन्नत ऑटोफोकस दिया गया है, जो 120fps तक की फास्ट बर्स्ट शूटिंग और ज़ूम के दौरान सटीक ट्रैकिंग को संभाल सकता है। साथ ही ब्रीदिंग कम्पनसेशन, Optical SteadyShot स्टेबिलाइजेशन, वेदर सीलिंग और हल्का डिजाइन इसे फोटो व वीडियो दोनों के लिए भरोसेमंद ऑल-राउंड किट लेंस बनाते हैं।

Leica ने तीन M-माउंट लेंसों में Safari ग्रीन फिनिश पेश की

लाइका (Leica) ने चार खास डिजाइन वाले M-लेंस लॉन्च किए हैं। Summilux-M 35mm f/1.4, Summilux-M 50mm f/1.4 और Summicron-M 28mm f/2 ASPH अब ऑलिव-ग्रीन Leica Safari डिजाइन में उपलब्ध हैं, जो मजबूती और स्टाइल का अनोखा संयोजन हैं। वहीं Summilux-M 50mm f/1.4 का क्लासिक वेरिएंट ग्लॉसी ब्लैक फिनिश में पेश किया गया है, जो शानदार बोकेह, प्रीमियम लुक और लाइका की विरासत को दर्शाता है।

अब Google Gemini से पूछ सकते हैं कि कोई इमेज AI से बनी है या नहीं

गूगल (Google) ने Gemini 3 में नया फीचर जोड़ा है, जिससे यूज़र्स जान सकते हैं कि कोई तस्वीर AI से बनी है या नहीं। Gemini ऐप में इमेज अपलोड कर पूछने पर यह SynthID डिजिटल वॉटरमार्क के जरिए पहचान करता है। यह तकनीक अब तक 20 अरब से अधिक AI कंटेंट पर लागू हो चुकी है। आगे गूगल C2PA स्टैंडर्ड जोड़कर इमेज की उत्पत्ति और इतिहास की जानकारी और पारदर्शी बनाने की योजना में है।

TTArtisan के नए 50mm और 85mm T2.1 ड्यूल-बोकेह लेंस देते हैं अलग और शानदार स्टाइल

TTArtisan ने नए 50mm और 85mm T2.1 Dual-Bokeh सिने प्राइम लेंस लॉन्च

किए हैं। इनमें Dual-Bokeh सिस्टम दिया गया है, जिससे Bubble और Soft दो तरह का बोकेह इफेक्ट चुना जा सकता है। ऑल-मेटल बॉडी, सिने-फ्रेंडली गियरिंग और एकसमान डिजाइन इन्हें इंडी फिल्ममेकर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए उपयोगी बनाते हैं। 35mm, 50mm और 85mm फोकल लेंथ के साथ अब यह एक पूरा किफायती फुल-फ्रेम सिने लेंस सेट बन गया है।

Instagram ने कैमरा अपडेट किया: अब 20 मिनट तक के Reels बना सकेंगे

इंस्टाग्राम (Instagram) ने Reels कैमरा में बड़ा अपडेट करते हुए अब 20 मिनट तक की वीडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा जोड़ दी है। इससे क्रिएटर्स सीधे ऐप में लंबी स्टोरीटेलिंग कर सकेंगे। साथ ही नया "Undo" विकल्प, बेहतर ग्रीन स्क्रीन और टच-अप स्लाइडर जैसे फीचर्स एडिटिंग को आसान बनाते हैं। हालांकि इंस्टाग्राम अभी भी 3 मिनट से कम Reels को प्राथमिकता देता है, इसलिए लंबे वीडियो की रीच सीमित रह सकती है।

BenQ का नया 27-इंच 4K मॉनिटर अब बिल्ट-इन कैलिब्रेशन टूल के साथ

BenQ ने अपने Designer सीरीज़ में नया 27-इंच 4K मॉनिटर PD2770U लॉन्च किया है, जिसमें इन-बिल्ट हार्डवेयर कैलिब्रेशन टूल दिया गया है। यह मॉनिटर 99% Adobe RGB और DCI-P3 कलर कवरेज के साथ स्टूडियो-ग्रेड कलर सटीकता देता है। Light-Adaptive Calibration, Nano Matte IPS पैनल, HDR10 सपोर्ट और USB-C कनेक्टिविटी इसे फोटोग्राफर्स, वीडियो एडिटर्स और छोटे स्टूडियो के लिए एक मजबूत व किफायती प्रोफेशनल समाधान बनाते हैं।

ZWO ने पेश किया नया 44 मेगापिक्सल फुल-फ्रेम कैमरा, खासकर एस्ट्रो-फोटोग्राफी के लिए

ZWO ने astrophotography के लिए नया ASI4400MC Pro कैमरा लॉन्च किया है, जिसमें 44MP फुल-फ्रेम बैक-इल्यूमिनेटेड Sony IMX366 सेंसर दिया गया है। यह कैमरा 13+ स्टॉप डायनेमिक रेंज, 80%

क्वांटम एफिशिएंसी और कम रीड नॉइज़ के साथ डीप-स्काई इमेजिंग के लिए बनाया गया है। एडवांस कूलिंग सिस्टम, Glow Suppression तकनीक और सटीक सेंसर अलाइनमेंट फीचर्स इसे प्रो एस्ट्रो फोटोग्राफर्स के लिए एक शक्तिशाली लेकिन महंगा विकल्प बनाते हैं।

DaVinci Resolve अब M5 Macs पर 32K वीडियो एडिटिंग को सपोर्ट करता है

Blackmagic Design ने DaVinci Resolve 20.3 जारी किया है, जिसमें M5 चिप वाले Mac पर 32K video editing का सपोर्ट जोड़ा गया है। यह फीचर फ्यूचर के पावरफुल M5 Macs की क्षमता को दिखाता है। साथ ही Noise Reduction, Media Pool, HDR10+ metadata और नए aspect ratio जैसे सुधार हुए हैं। iPad वर्जन में भी background rendering और बेहतर परफॉर्मेंस मिलती है, जिससे प्रो वीडियो वर्कफ़्लो और मजबूत हुआ है।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in